RPF SI रेल रक्षक बैच

-: History :- Class-17

⇒ बिम्बिसार ने राज्य विस्तृत करने के लिए विवाह सम्बंधो का सहारा लिया।

Bimbisara took the support of marriage relations to expand the kingdom.

महाकौशला: (कोशल नरेश प्रसेनजीत की बहन) = काशी दहेज ↓ लगभग 1 लाख राजस्व (Revenue)

Mahakoshala: (Sister of kosala king Prasenjit) = Kashi dowry

↓ दहेज का पहला उदाहरण

चेलना: (चेटक की पुत्री) Chelna: (Daughter of Chetak)

क्षेमा: (भद्र प्रदेश की राजकुमारी)

Kshema: (Princess of Bhadra Pradesh)

⇒ बिम्बिसार ने "अंग" महाजनपद जीता और वहां

अपने पुत्र "अजातशत्रु" को उपराजा बनाया।

Bimbisara won the "Anga" Mahajanapada and made his son "Ajatashatru" the sub-king there.

बिंबिसार ⇒ साम्राज्य

विस्तार ⇒ वैवाहिक → ① महाकोशला → दहेज - काशी

अंग महाजनपद → जीता

↳ उपराजा ⇒ अजातशत्रु

⇒ बिम्बिसार प्रारम्भ में "बौद्ध धर्म" का अनुयायी था परन्तु अपनी पत्नी "चेलना" के कहने पर "जैन धर्म" को अपना लिया।

Initially, Bimbisara was a follower of "Buddhism" but at the behest of his wife "Chelna" he adopted "Jainism".

→ राजधानी : राजगृह Capital : Rajgriha

मगध ⇓ राज० ⇒ गिरिव्रज ↓ राजगृह

→ बिम्बिसार ने अपने ज्येष्ट पुत्र "दर्शक" को उत्तराधिकारी बनाया।

Bimbisara made his eldest son "Darshak" the Successor

➔ परंतु अजातशत्रु ने अपने पिता बिम्बिसार की हत्या कर गद्दी पर बैठा।
But Ajatashatru killed his father Bimbisara and sat on the throne.

➔ पिता की हत्या करने के कारण अजातशत्रु को पितृहंता कहा गया
Ajatshatru was called Pitruhanta because of killing his father.

➔ अजातशत्रु की भी इसके पुत्र उदयन के द्वारा हत्या कर दी गयी।
Ajatashatru was also killed by his son Udayana.

➔ इस प्रकार से "हर्यक वंश को "पितृहंता" वंश भी कहा गया।
In this way, "Haryak" dynasty was also called "Pitruhanta" dynasty.

बिंम्बिसार → हत्या ⇒ अजातशत्रु
⇓
की हत्या ⇒ उदयन

अजातशत्रु (492 BC - 460 BC)

⇒ अन्य: कुणिक (पितृहंता) others: kunik (Patriarchy)

⇒ माता : महाकोशला Mother: Mahakoshala

⇒ (483 BC) - प्रथम बौद्ध संगीति- सप्तपर्णी (राजगृह) - (महाकश्यप) अध्यक्ष - Imp

(483 BC) - First Buddhist Council - Saptaparni (Rajagriha - (Mahakashyap) President

⇒ काशी के लिए प्रसेनजीत से संघर्ष हुआ एवं विजयी हुआ और बाजिरा से विवाह से विवाह हुआ जो कि प्रसेनजीत की पुत्री थी।

अजातशत्रु शादी

There was a struggle with Prasenjit for Kashi and won and married Bajira who was the daughter of Prasenjit.

→ इसके बाद वज्जि और मल्ल संघ को हराया

After this Vajji and Malla Sangha were defeated

⇒ अजातशत्रु जैन धर्म का अनुयायी था।
Ajatashatru was a followers of Jainism.

⇒ महावीर स्वामी व महात्मा बुद्ध की मृत्यु इसी के शासनकाल में हुयी
Imp. Mahavir Swami and Mahatma Buddha died during his reign

मगध (हर्यक वंश)
↳ बिंबिसार
⇓
अजातशत्रु

उदायिन (460 BC - 444 BC) ↳ द्वितीय (Second) ⇒ पितृहंता

⇒ द्वितीय पितृहंता Second Patriarchy

⇒ पाटलिपुत्र नगर की स्थापना की: (गंगा, गण्डक व सोन नदी पर)
Pataliputra City established: (on the Ganga, Gandak and Son rivers)
↳ कुसुमपुरा के नाम से भी जाना जाता था।
(राजधानी बनाया)
It was also known as kusumpura. (Capitalized)

⇒ उदायिन के (3) पुत्र थे जो क्रम से शासन किया।
Udayin had (3) sons who ruled in succession

1. अनिरुद्ध Aniruddha
2. मुंडा Munda
3. नागदशक Nagdashak — Imp.

➜ नागदशक 'हर्यक वंश' का अंतिम शासक था।
Nagdasaka was the last ruler of the 'Haryak dynasty'

➜ जिसकी हत्या उसका मंत्री शिशुनाग ने कर दी।
Whose murder was done by his minister Shishunag!

मगध
↓
राज० गिरिव्रज
↓
राजगृह
↓
पाटलिपुत्र

शिशुनाग वंश (412-344)

➜ संस्थापक : शिशुनाग (412 BC - 394 BC)
Founder : Shishunag (412 BC - 394 BC)

↳ राजधानी : वैशाली Capital : Vaishali

➜ शिशुनाग ने "अवन्ति" को जीता (प्रद्योत को पराजित कर)
Shishunago won "Avanti" (by defeating Pradyota)

गिरिव्रज
⇓
राजगृह
⇓
पाटलिपुत्र
⇓
वैशाली

कालाशोक (394-366 BC) / काकवर्ण

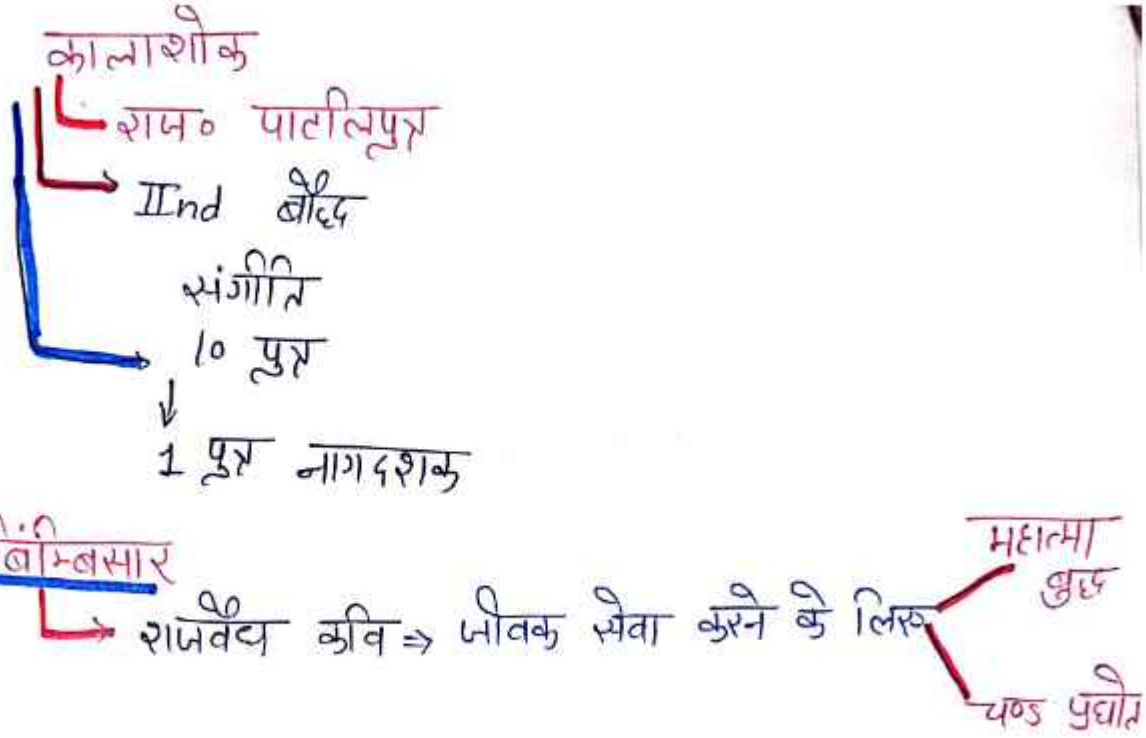
➜ द्वितीय बौद्ध संगीति - 383 BC - वैशाली - साबकमीर
Second Buddhist Council - 383 BC - Vaishali (अध्यक्ष)
Sabkamir (President)

➜ कालाशोक ने पुनः पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनायी
Kalashoka again made patalliputra his Capital.

➜ उसके दस पुत्रों में एक नंदिवर्धन अंतिम शासक हुआ। Imp.
One of his ten sons, Nandivardhana, became the last ruler.

➜ नंदिवर्धन की हत्या महापद्मनंद ने "छूरा घोंप कर" कर दी
Nandivardhan was killed by Mahapadmanad "by stabbing".

➜ महापदमनंद ने नए वंश "नंद वंश" की स्थापना की।
Mahapadamnand established a new dynasty "Nanda dynasty"



नंद वंश (345BC-323BC)

⇒ संस्थापक : महापद्मनंद (अन्य नाम: उग्रसेन / एकराट / सर्वक्षांतक / परशुराम का 2nd अवतार) अपरोपरशुराम / भार्गव

Founder:- Mahapadmananda (other names: Ugrasena / Ekta / Sarvakshantak / 2nd incarnation of parshuram) Aproparshu ram / Bhargav

⇒ इनके समकालीन "पाणिनी" था
His Contemporary was "Panini".

धनानंद → की हत्या चंद्रगुप्त मौर्य ने की और एक नये वंश मौर्य साम्राज्य की स्थापना की, चाणक्य के सहयोग से।

⇒ इसे अग्रमीज नाम से भी जाना जाता है।
It is also known as Agrameez.

⇒ सिकंदर का आक्रमण (326 BC) इसी के शासनकाल में हुआ।

Alexander's Invasion (326 BC) took place during his reign.

⇒ वररुचि विद्वान Vararuchi Scholar

⇒ कात्यायन विद्वान katyayan Scholar

⇒ तीन ग्रन्थों को - मुनित्रय कहते हैं The three texts are Called - Munitraya.

⇒ महाभाष्य - पंतजलि Mahobhashya - Patanjali

⇒ वर्तिका - कात्यायन Vartika - katyayan

⇒ अष्टाध्यायी - पाणिनी Ashtadhyayi - Panini